# कहां है धब्बा?

क्रॉस्बी बोन्सॉल

# कहां है धब्बा?

क्रॉस्बी बोन्सॉल

दूर उत्तर में,

सफ़ेद बर्फ वाले देश में,

जहाज़ों वाले समुद्र के किनारे,

एक वालरस चल रहा था.

आखिरकार वह बैठ गया

और उसने समुद्र की ओर,

जहाज़ों वाले समुद्र की ओर देखा.

फिर उसने बर्फ़ की ओर देखा.

और उसने जो कुछ देखा,

वो उसे देखता ही रहा.

क्योंकि बर्फ़ में एक धब्बा था!

वो एक छोटा सा काला धब्बा था.

सफ़ेद, सफ़ेद बर्फ़ में

एक छोटा सा काला धब्बा.

"अब वो ज़रूर कोई चीज़ होगी,"

वालरस चिल्लाया.

"बर्फ में ज़रूर कोई चीज़ है.

वो भला क्या हो सकती है

मैं अचरज कर रहा हूं "

वालरस सोचने लगा.

जब वह सोच रहा था

तभी एक पफ़िन आया.

पफ़िन उसके पास बैठ गया.

"तुम क्या देख रहे हो?"

पफिन ने वालरस से पूछा.

"वह धब्बा," वालरस ने कहा.

"कौन सा धब्बा?" पफिन ने पूछा.

"वो धब्बा," वालरस ने कहा.

"मुझे तो कोई धब्बा नहीं दिख रहा,"
पफिन ने कहा.
"मुझे कोई धब्बा नहीं दिख रहा.
मुझे तो सिर्फ बर्फ ही बर्फ़,
समुद्र और आकाश दिख रहा है.
मुझे वह धब्बा दिखाओ?"
पफिन ने कहा.

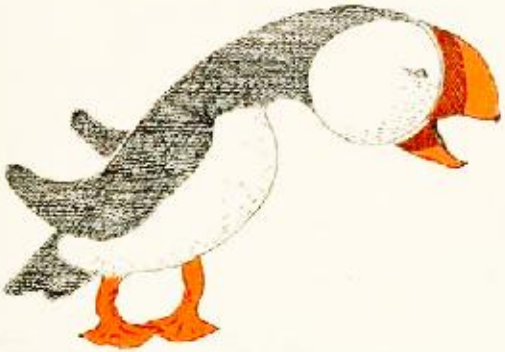

"वह काला धब्बा," वालरस ने कहा.
"कहाँ?" पफिन ने पूछा.
"वहाँ," वालरस ने कहा.
"ओह, वहाँ," पफिन ने कहा.

"हाँ, वहाँ," वालरस ने कहा.

"वह रहा काला धब्बा,

सफ़ेद, सफ़ेद बर्फ़ में."

"ओह, वह धब्बा," पफिन ने कहा.

"वो तो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

"तुम्हें कैसे पता?" वालरस ने पूछा.

"देखो, धब्बा तो धब्बा ही होता है," पफ़िन ने कहा.

"वो सिर्फ एक धब्बा होता है."

वालरस को यकीन नहीं हुआ.

"मैं सोच रहा हूँ कि वह धब्बा क्या है."

उसने कहा.

"मैं सोच रहा हूँ कि क्या वो धब्बा

महज़ एक धब्बा है."

"मैंने तुमसे कहा था." पफ़िन ने कहा.

लेकिन वालरस ने सुना नहीं.

फिर पफ़िन उसके पीछे दौड़ा.

"मैंने तुमसे कहा था!" वह चिल्लाया.

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

वो धब्बा कोई धब्बा नहीं था.

वालरस ने पफ़िन से कहा.

"वो धब्बा कोई चीज़ थी

जो बर्फ के नीचे

गहराई में थी

जिसकी सिर्फ़ नाक बाहर

निकली हुई थी,"

वालरस ने कहा.

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं,"
पफ़िन ने कहा.
वालरस ने खुदाई शुरू की,
और पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा.

वालरस ने थोड़ा सा खोदा,
फिर पफ़िन उसे मुड़कर देखने लगा.
"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं,"
पफ़िन ने कहा, "और वहां
कोई नाक बाहर नहीं निकली है."

वालरस ने देखा.

पफ़िन ने देखा.

वे बहुत देर तक देखते रहे.

काफी देर तक.

वालरस ने कुछ और खुदाई की,

और पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा.

"वो एक समुद्री साँप है,"

वालरस चिल्लाया,

"और वो यहाँ

बर्फ के नीचे पड़ा है."

पफ़िन ने देखा.

वालरस ने देखा.

वे बहुत देर तक देखते रहे.

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं,"

पफ़िन ने कहा.

"समुद्री साँप, समुद्र में तैरते हैं.

समुद्री साँप कभी बर्फ में नहीं तैरते."

"तुम सही कह रहे हो,"

वालरस ने उदास होकर कहा.

फिर उसने कुछ और खोदा,

और पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा.

थोड़ी देर बाद

वालरस चिल्लाया. "अरे!"

"अरे!" वालरस चिल्लाया.

"मुझे पता है कि वो क्या है.

वो एक बहुत बड़ा पक्षी है.

शायद वो तुमसे भी बड़ा हो!"

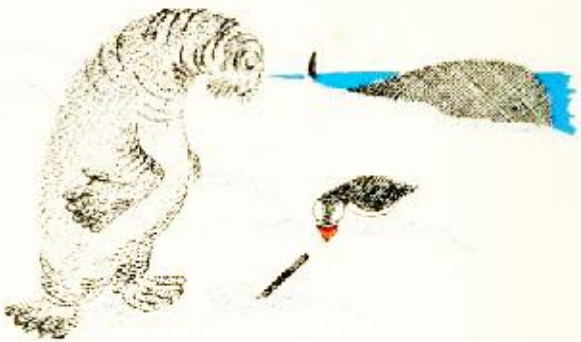

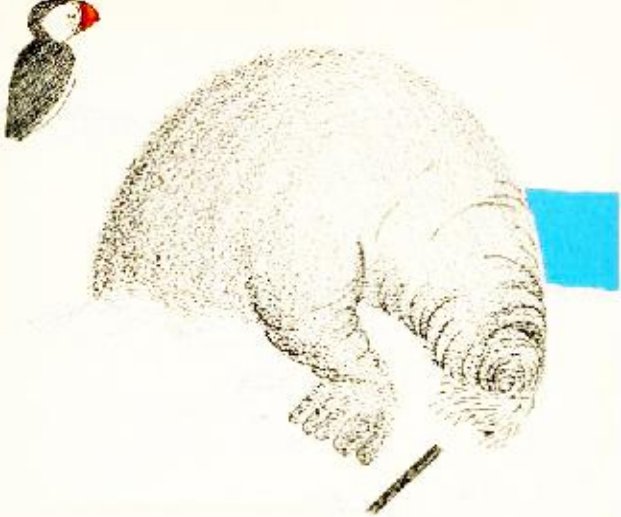

पफ़िन ने देखा.

वालरस ने देखा.

वे बहुत देर तक देखते रहे.

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं,"

पफ़िन ने कहा.

"पक्षी बर्फ के ऊपर उड़ते हैं,

बर्फ के नीचे नहीं."

"तुम सही कह रहे हो,"

वालरस ने उदास होकर कहा.

उसने और खोदा,

और पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा.

थोड़ी देर बाद वालरस रुक गया.

"अच्छा," उसने कहा, "उसकी दो आँखें हैं

और एक बहुत लंबी नाक है.

लेकिन मुझे यह नहीं पता कि वो क्या है."

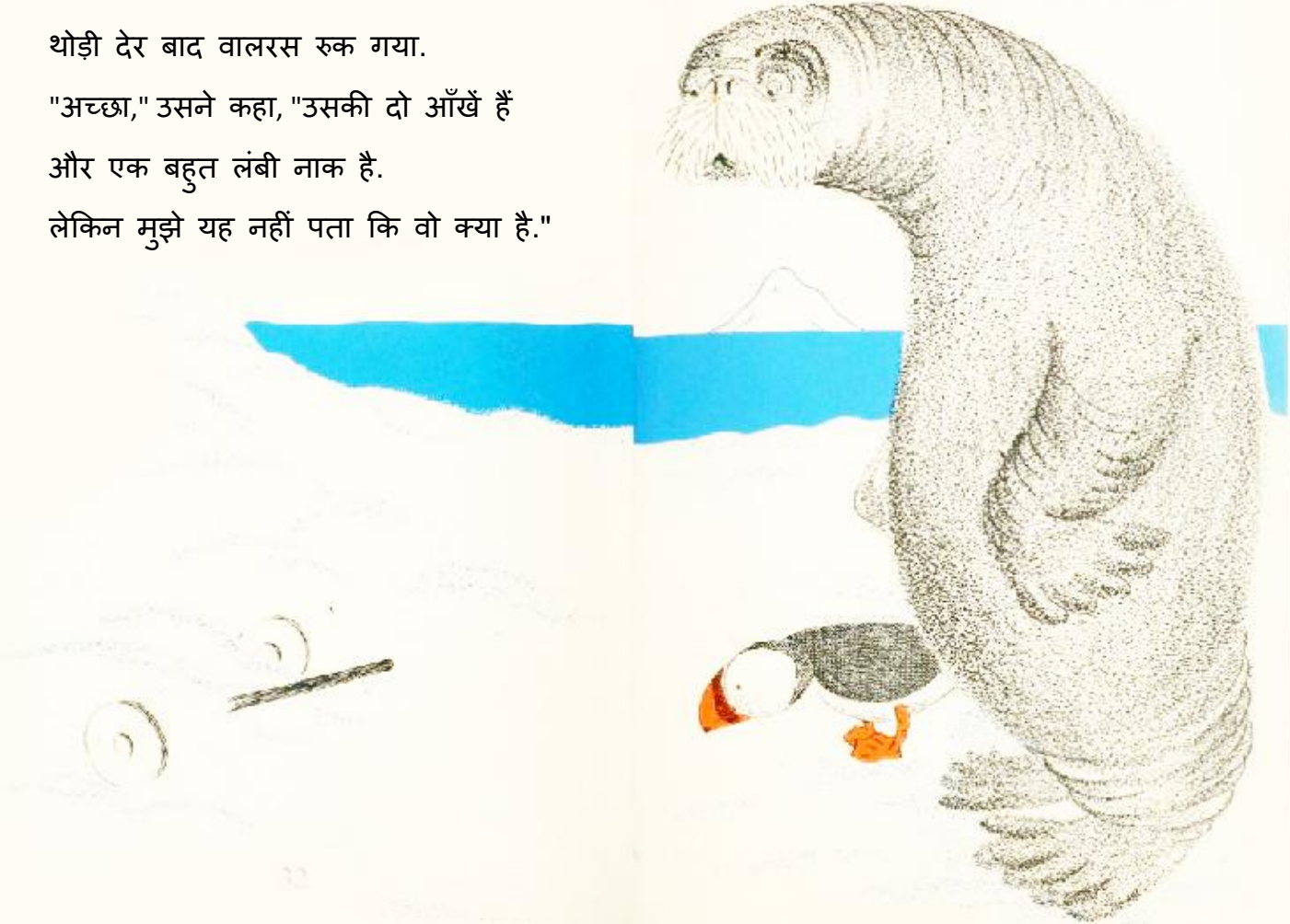

पफ़िन ने देखा.

वालरस ने देखा.

वे बहुत देर तक देखते रहे.

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं,"

पफ़िन ने कहा.

फिर वालरस ने कुछ और खुदाई की.

"बर्फ़ गिर रही है," वालरस ने कहा.

"मुझे कुछ जल्दी करनी चाहिए."

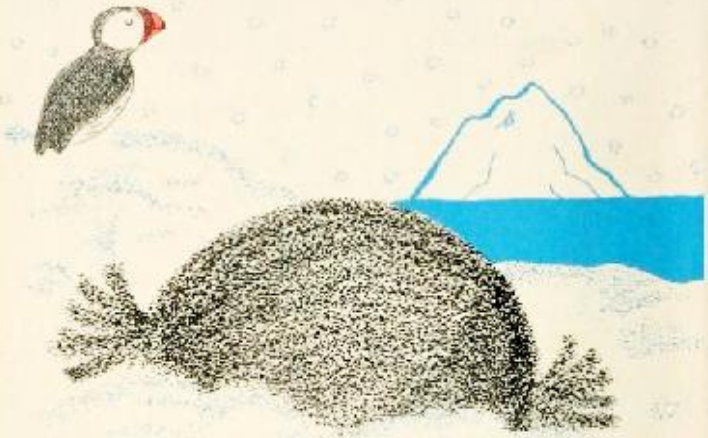

काफ़ी समय बीत गया.

वालरस ने खुदाई की, बर्फ़ गिरती रही.

और पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा.

पफ़िन ने समुद्र की ओर देखा,

बर्फ गिरती रही,

वालरस खुदाई करता रहा,

और काफ़ी समय बीत गया.

आखिर में वालरस रुका.

उसने उस चीज़ को देखा.

उसने कुछ और देखा.

"मुझे नहीं पता कि वो चीज़ क्या है,"

उसने कहा.

पफ़िन ने देखा.

वालरस ने देखा.

वे बहुत देर तक देखते रहे.

"वो कुछ भी नहीं है, बिल्कुल भी नहीं."

पफ़िन ने कहा.

"वो ज़रूर कुछ है," वालरस चिल्लाया.

"हम उसका क्या कर सकते हैं?"

"कुछ भी नहीं, बिल्कुल भी नहीं,"

पफ़िन ने कहा.

फिर पफ़िन उस चीज़ पर कूद पड़ा

ताकि वो उसे अच्छी तरह देख सके.

"मैंने तुमसे कहा था कि वो

समुद्री साँप नहीं है," पफ़िन ने कहा.

"मैंने तुमसे कहा था कि वो पक्षी नहीं है.

उसकी कोई आँखें नहीं हैं.

उसकी कोई लंबी नाक नहीं है.

वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

तेज़ हवा चलने लगी.

वह चीज़ लुढ़कने लगी.

वह चीज़ वालरस से दूर लुढ़ककर गई.

पफ़िन भी उसके साथ लुढ़का.

फिर वे तेज़ी से

बर्फ पर लुढ़कते रहे.

बहुत तेज़ी से लुढ़कते रहे.

समुद्र के किनारे पर

जहां जहाज तैर रहे थे.

पफ़िन एक ध्रुवीय भालू के पास से गुज़रा

जो समुद्र में नहा रहा था.

"बचाओ," पफ़िन चिल्लाया.

"चिंता मत करो," ध्रुवीय भालू चिल्लाया,

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

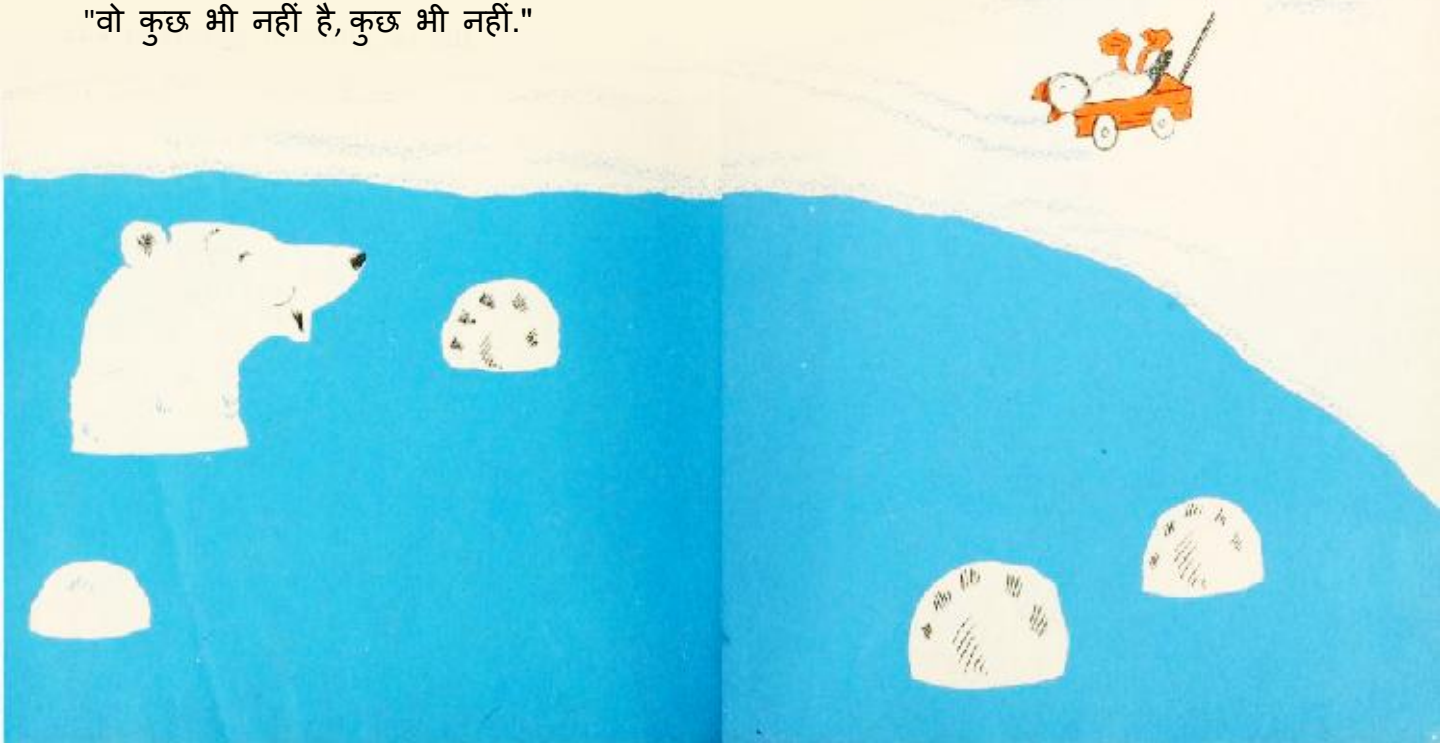

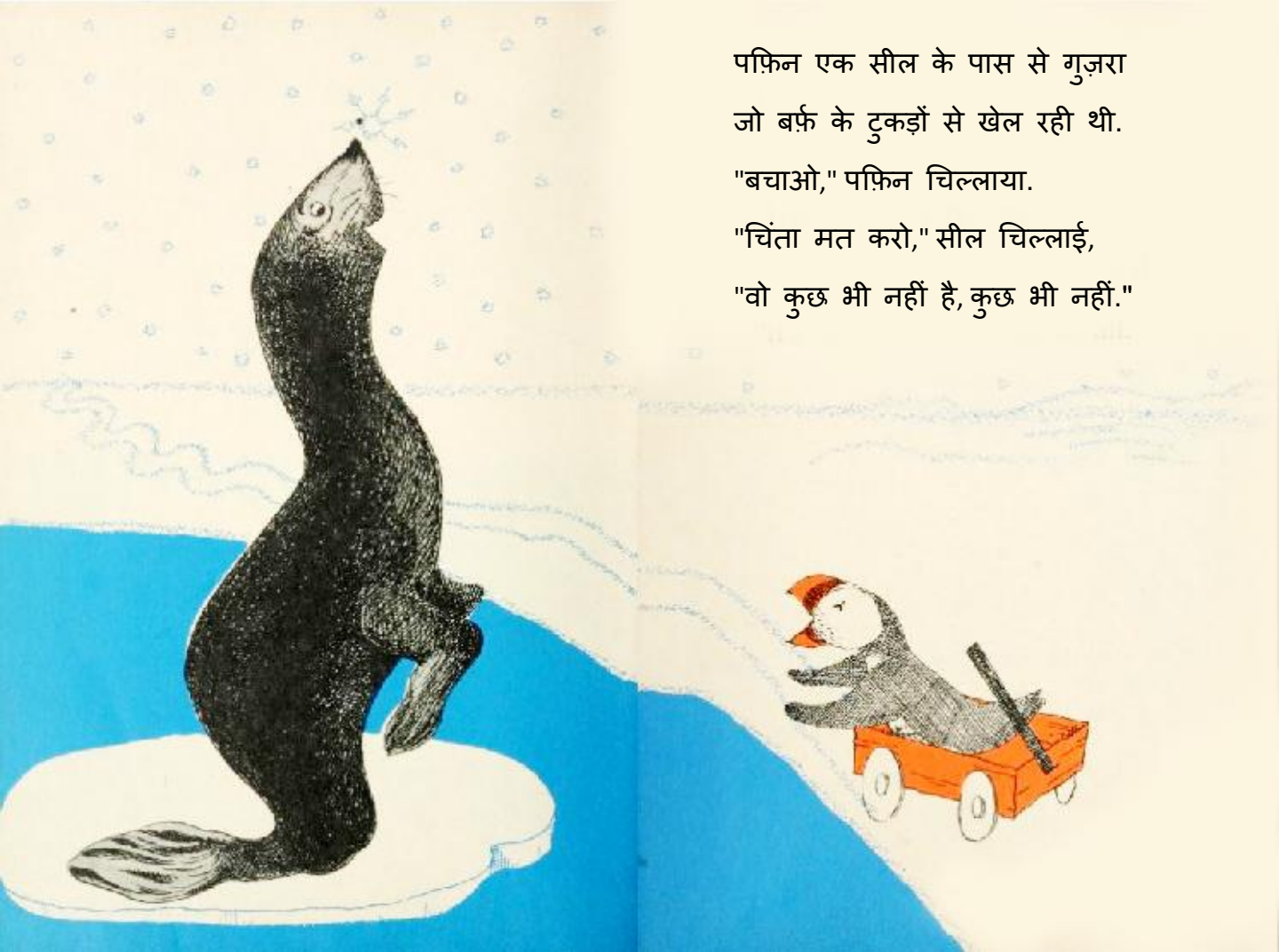

पफ़िन एक सील के पास से गुज़रा
जो बर्फ़ के टुकड़ों से खेल रही थी.
"बचाओ," पफ़िन चिल्लाया.
"चिंता मत करो," सील चिल्लाई,
"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

पफ़िन एक कुत्ते के पास से गुज़रा

जो अपनी नाक से बर्फ़ का

गोला लुढ़का रहा था.

"बचाओ," पफ़िन चिल्लाया.

"चिंता मत करो." कुत्ता चिल्लाया,

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

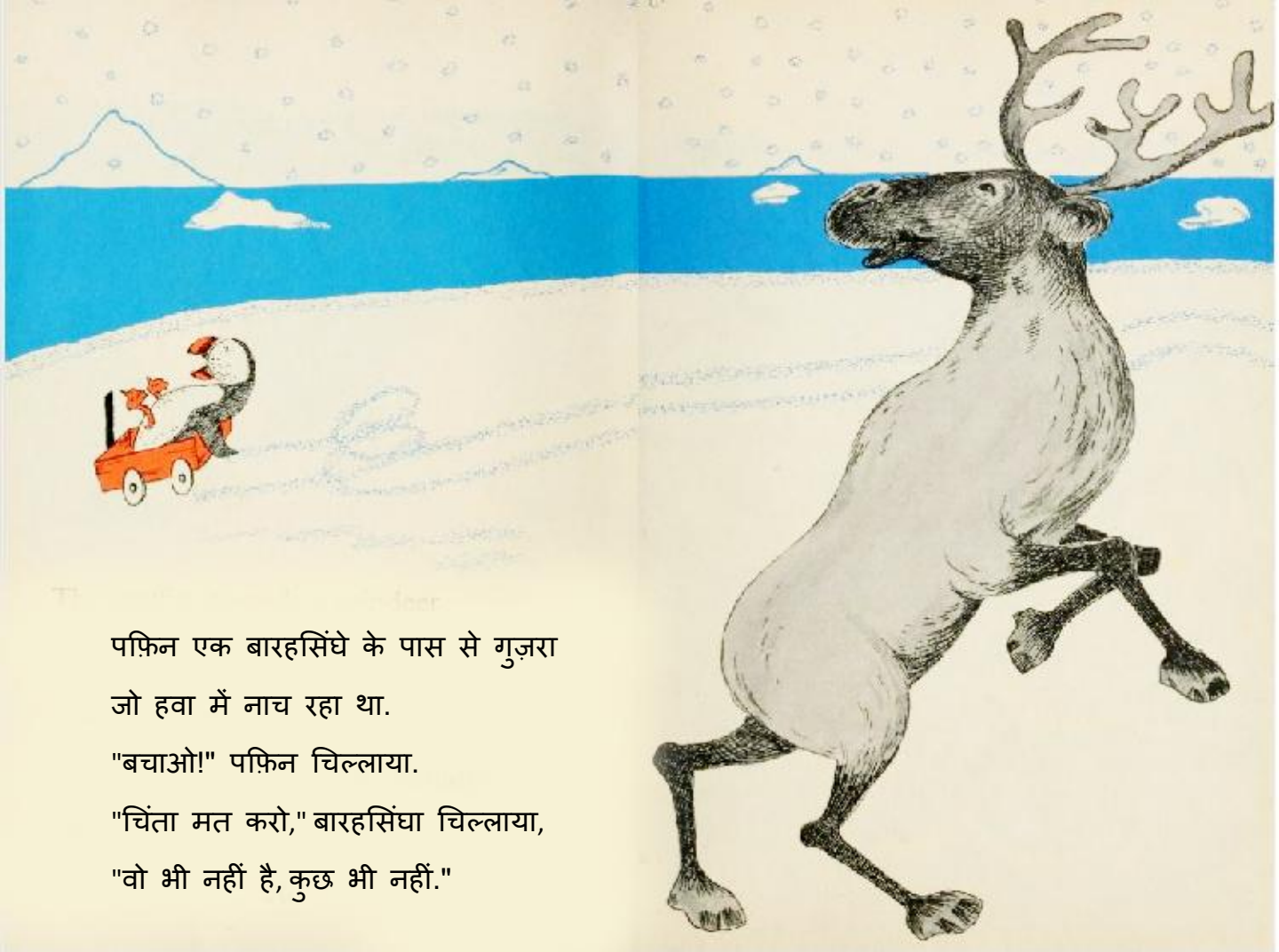

पफ़िन एक बारहसिंघे के पास से गुज़रा
जो हवा में नाच रहा था.
"बचाओ!" पफ़िन चिल्लाया.
"चिंता मत करो," बारहसिंघा चिल्लाया,
"वो भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

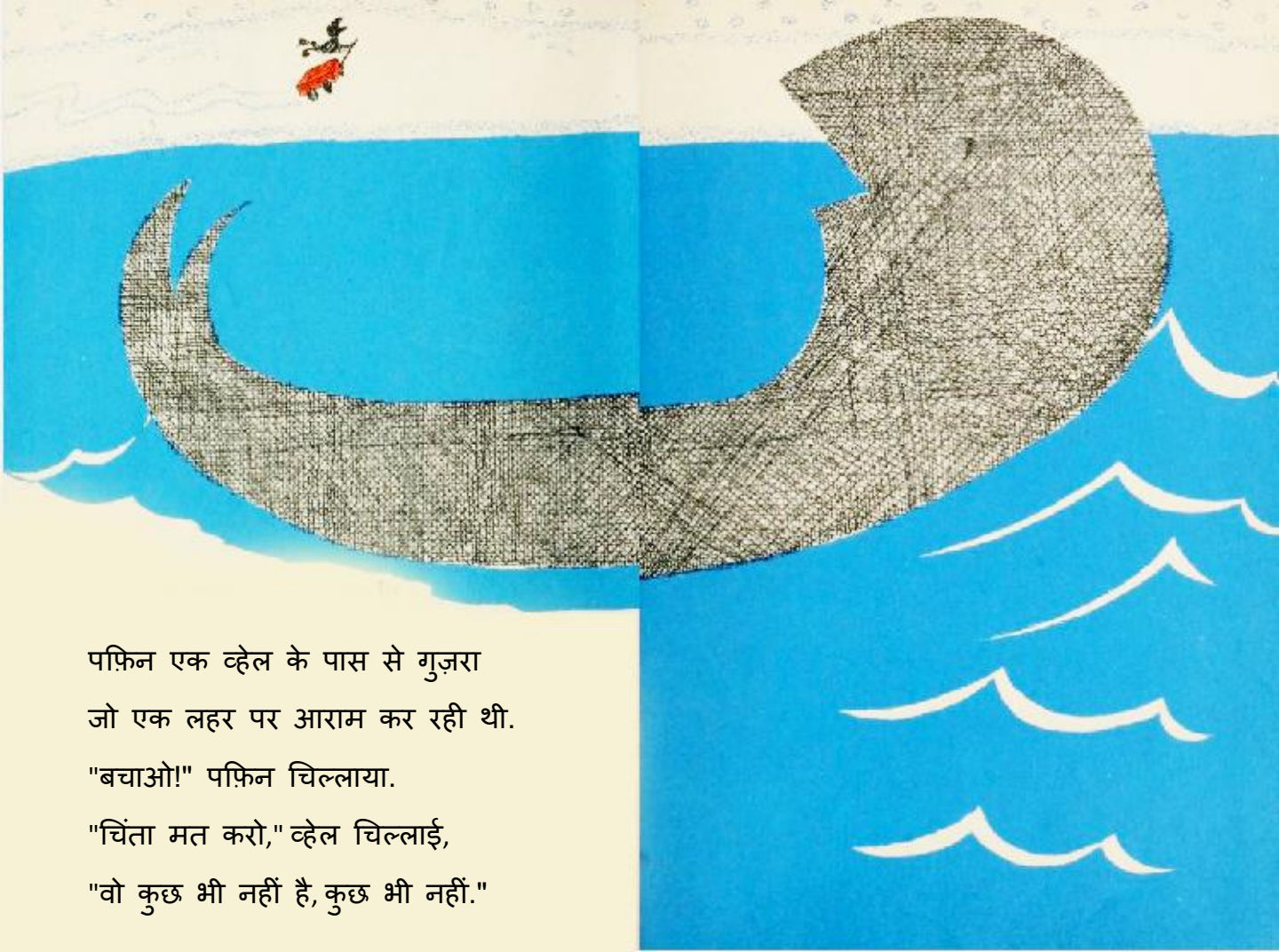

पफ़िन एक व्हेल के पास से गुज़रा

जो एक लहर पर आराम कर रही थी.

"बचाओ!" पफ़िन चिल्लाया.

"चिंता मत करो," व्हेल चिल्लाई,

"वो कुछ भी नहीं है, कुछ भी नहीं."

हवा ने पफ़िन को
इधर-उधर उड़ाया और फिर
उसे वापस वालरस के पास ला दिया.

"बचाओ!" पफ़िन चिल्लाया.
"मैं तुम्हारी मदद करूँगा," वालरस चिल्लाया.
लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी.

वो वही गड्ढा था.

जिस गड्ढे को वालरस ने खोदा था.

वह चीज़ उस गड्ढे के अंदर लुढ़क गई.

पफ़िन भी उसके अंदर लुढ़क गया.

उसके ऊपर से बर्फ़ गिरी.

अब आप उसकी सिर्फ़ नाक का

सिरा ही देख सकते थे.

ध्रुवीय भालू नहाकर बाहर आया.

"तुम क्या देख रहे हो?"

ध्रुवीय भालू ने पूछा.

"वह धब्बा," वालरस ने कहा.

"कौन सा धब्बा?" ध्रुवीय भालू ने पूछा.

"वह धब्बा," वालरस ने कहा.

"मुझे कोई धब्बा नहीं दिख रहा,"

ध्रुवीय भालू ने कहा.

"वह काला धब्बा,"

वालरस ने कहा.

"कहाँ?" ध्रुवीय भालू ने पूछा.

"वहाँ," वालरस ने कहा.

"ओह, वहाँ." ध्रुवीय भालू ने कहा.

"हाँ, वहाँ," वालरस ने कहा.

"वहाँ, सफ़ेद, सफ़ेद बर्फ़ में

वह काला धब्बा कोई धब्बा नहीं है.

मुझे पता है कि वो एक पफ़िन है."

वालरस दौड़ा

और वहाँ खोदने लगा.

उसने खोदा और खोदा.

तेज़, तेज़, और तेज़!

वहाँ पफ़िन था

बर्फ के नीचे!

और वह चीज़ थी

पफ़िन के नीचे!

वालरस को पता था कि उन्हें क्या करना है.

और पफ़िन भी वो जानता था.

"हमें वो करना ही होगा," वालरस ने कहा.

"हाँ, हमें वो करना ही होगा,"

पफ़िन ने कहा.

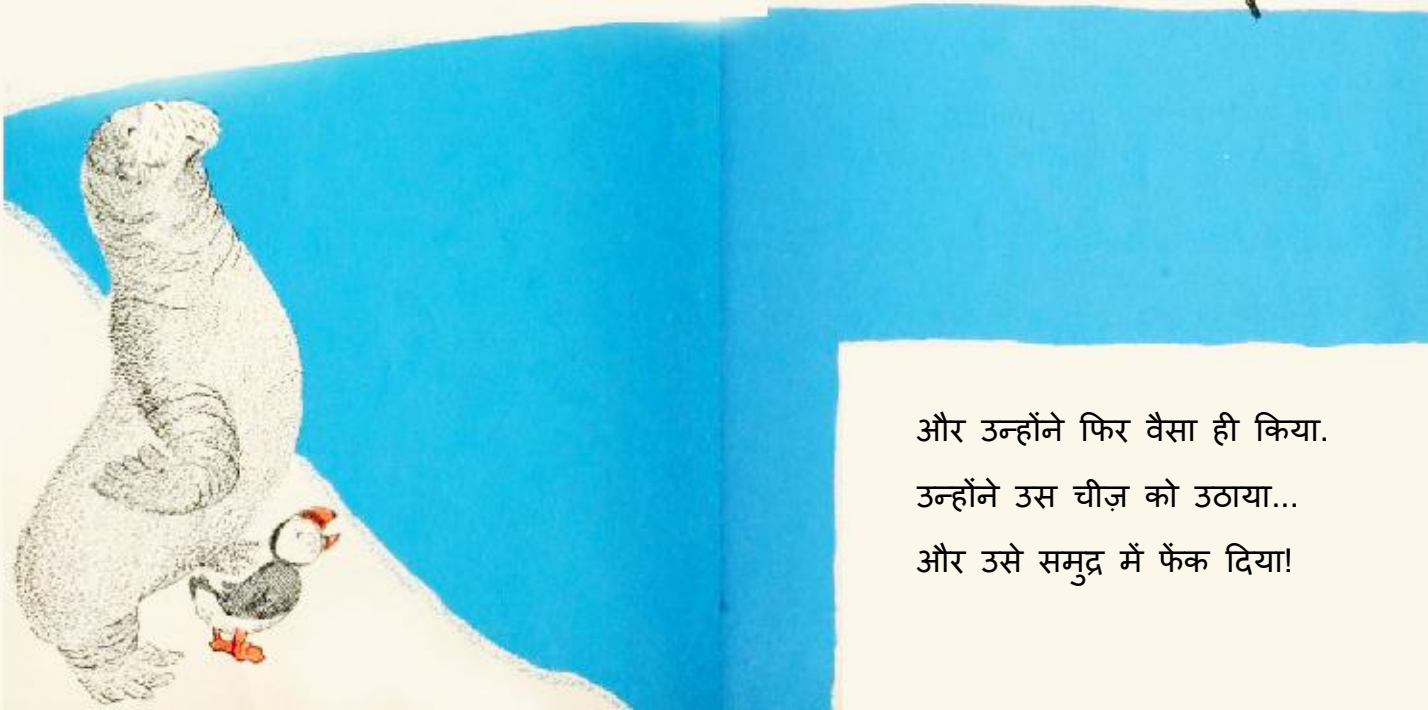

और उन्होंने फिर वैसा ही किया.

उन्होंने उस चीज़ को उठाया...

और उसे समुद्र में फेंक दिया!

वालरस और पफ़िन साथ-साथ बैठे

उस धब्बे को समुद्र में तैरते

हुए देखते रहे.

वह धब्बा छोटा होता गया

और छोटा होता गया

और छोटा होता गया

जब तक कि उसका

कुछ भी नहीं रह गया,

बिल्कुल भी नहीं.

समाप्त